ओपा बिक

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

अप्रत्याशित होने के अपने फ़ायदे हैं। पर अब मुझे ठीक-ठीक पता था कि मुझे क्या करना है। जिलेट नाम अमेरिकी नहीं है। इसकी जड़ें फ्रांसीसी हैं — इसका उच्चारण कोमल है, जैसे शब्द को छूकर निकल जाना हो, कभी कर्कश नहीं। बस एक ऐसा परिवार जो अठारहवीं सदी के अंत में फ्रांस से अमेरिका जा बसा, रिश्तेदारों का सहारा पाया, और जो कुछ आगे बना उसकी नींव रखी। तो जिलेटनैरेटिव के हस्तांतरण से मिलने वाली रकम का मैं क्या करता — सिवाय इसके कि दादा जिलेट के घर में फ्रांस का वह हिस्सा लौटा लाता जो असल में उन्हीं का था, और जिसे शायद उन्होंने खो दिया था, या शायद कभी जाना ही नहीं था? मैं बिक फ्रांस के अधिग्रहण के लिए एक अधिग्रहण प्रस्ताव पेश करता। इस जानकारी के भरोसे कि फ्रांसीसी सरकार ऐतिहासिक रूप से संरक्षणवादी रही है — पर वह पी एंड जी को कभी यही काम करने की इजाज़त न देती, क्योंकि इससे वैश्विक बाज़ार में एकाधिकार बनने का ख़तरा था। मैं ब्लेड और रेज़र का उत्पादन बंद कर देता। उपभोक्ता स्वाभाविक रूप से उसी जाने-पहचाने ठिकाने पर लौट आते जहाँ रेज़र बिकते हैं। माँ जिलेट को इसका फ़ायदा तुरंत दिख जाता। और मैं दादा को उनकी शान का हिस्सा लौटा देता — वे इस वक़्त जहाँ कहीं भी हों।

रही बात कलमों और बाक़ी उत्पाद-श्रेणियों की, तो मैं एक ऐसी कंपनी खड़ी करता जो प्रकाशन की दुनिया से जुड़ी हो — जो केवल लेखन-उपकरण बनाकर बेचती न रहे, बल्कि उन्हें एक ऐसे प्रकाशन-तंत्र के भीतर पिरो दे जो धरती के हर उस लेखक से जुड़ा हो जिसे अमेज़न में कोई दिलचस्पी न हो। और फिर हम खुले बाज़ार में अपनी क़ाबिलियत आज़माते। इसमें जुटे हर व्यक्ति की क्षमता के आधार पर। और दुनिया देखती कि जिनके भीतर सच्ची कॉर्पोरेट संस्कृति है वे क्या कर सकते हैं — बनिस्बत उनके जिन्हें बस

इतनी क़िस्मत मिली कि एक ऐसे शून्य के भीतर जगह पा गए जिसका कभी ऐलान ही नहीं हुआ था। फ्रेगा: ऐसा कोई जिसके होने की आप कभी उम्मीद न करें। और फिर भी वह सचमुच है। नांदो

पुनश्च। रेज़र और ब्लेड की बिक्री क्यों बंद करूँ — जबकि मैं जानता हूँ कि बिक की प्रति-इकाई बिक्री असाधारण रूप से ऊँची है, चाहे उसका जोड़ा गया मूल्य कम ही क्यों न हो? सिर्फ़ एक वजह से: दादा जिलेट। और बस इतना ही।

आर्काइव | फर्दिनांदो फ्रेगा — नांदो, लेखक | © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।